नियत कार्य

परास्नातक (शिक्षा) द्वितीय वर्ष
(जनवरी–2022 एवं जुलाई–2022)

शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

नियतकार्य

परास्नातक (शिक्षा) द्वितीय वर्ष
जनवरी–2022 एवं जुलाई–2022

कृपया ध्यान दें :

अ) विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे स्वयं द्वारा चुने गये विशेषीकृत क्षेत्र (स्पेशिलाइज़्ड एरिया) विकल्पों में से नियतकार्यों का चयन करें।

ब) नियतकार्यों के उत्तर (ए आर्स) अपने कार्यक्रम अध्ययन क्षेत्र के कार्यक्रम प्रभारी के पास स्वयं जमा किये जा सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजे जा सकते हैं।

स) सभी नियतकार्यों की एक प्रति आप को स्वयं अपने पास अपनी आवश्यकता के लिए सुरक्षित रखनी चाहिए।

विशेषीकृत क्षेत्र : उच्च शिक्षा

एम.ई.एस.–101 : उच्च शिक्षा : इसका सन्दर्भ एवं संयोजन

नियतकार्य : 01

अ) शिक्षा के उद्देश्य निश्चित नहीं है। वे बदलते रहते हैं। उच्च शिक्षा के उद्देश्यों में परिवर्तन के लिए उत्तरदायी कारकों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की महत्वपूर्ण अनिवार्यताएं (इम्पेराटिव्स) कौन सी हैं? शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में गुणवत्ता को किस प्रकार लाया जा सकता हैं? (500 शब्द)

स) वैश्वीकरण की घटना भारतीय उच्च शिक्षा को किस प्रकार प्रभावित कर रही है? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–102 : उच्च शिक्षा में अनुदेशन

नियतकार्य : 01

अ) आप अपने कक्षाकक्ष के शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए उभरती हुई सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकियों (आई सी टीज़) का प्रयोग किस प्रकार करेंगे। सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(500 शब्द)

ब) ग्रेडिंग प्रणाली की अंकन प्रणाली से तुलना कीजिए। आप उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए दोनों प्रणालियों में से किसे संस्तुत करना चाहेंगे और क्यों? (500 शब्द)

स) महाविद्यालय स्तर से अपनी पसन्द के किसी शीर्षक का चयन कीजिए। रेखीय शैली (लीनियर स्टाइल) का अनुसरण करते हुए कार्यक्रम अधिगम सामग्री (पी. एल. एम.) की दस रूपरेखाएं (फ्रेम) विकसित कीजिए। पी. एल. एम. के विकास में आपने किन चरणों का अनुसरण किया है। वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–103 : उच्च शिक्षा : मनो–सामाजिक सन्दर्भ

नियतकार्य : 01

अ) उच्च शिक्षा विद्यार्थियों के महाविद्यालय सम्बन्धित सरोकारों का वर्णन कीजिए। एक परामर्शदाता के रूप में शिक्षक की भूमिका का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) उच्च शिक्षा स्तर पर विद्यार्थी–अधिगम को प्रभावित करने वाले विविध कारकों की सोदाहरण परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) कक्षाकक्ष वातावरण की आधारभूत विशेषताएं कौन सी हैं? इकाई–6 : 'कक्षाकक्ष प्रबन्धन की गतिकी (डाइनेक्सि) और व्यवहार (प्रयोग) के लिए उनके निहितार्थ में दिये गये कक्षाकक्ष प्रबन्धन रूपरेखा (प्रोफाइल) से सम्बन्धित 12 कथनों का अध्ययन कीजिए। पंच बिन्दु मापनी पर अपने प्रत्येक कथन का उत्तर लिखिये और इकाई में दिये गये अंक प्राप्त करने (स्कोरिंग) के निर्देशों का प्रयोग करते हुए अपने उत्तर का विश्लेषण कीजिए। विश्लेषण के आधार पर, अपनी कक्षाकक्ष प्रबन्धन प्रोफाइल की सबलताओं और दुर्बलताओं पर विशेष बल देते हुए एक संक्षिप्त रिपोर्ट लिखिये। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–104 : उच्च शिक्षा का नियोजन एवं प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

अ) संगठन विकास के अर्थ एवं विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। उच्च शिक्षा संस्थानों के स्व–नवीकरण के लिए संगठन विकास हस्तक्षेप सुझाइये। (500 शब्द)

ब) सम्प्रेषण (कम्यूनिकेशन) का क्या अर्थ है। उच्च शिक्षा में एक शिक्षक अपने/अपनी सम्प्रेषण को किस प्रकार प्रभावी बना सकता है? व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) उच्च शिक्षा स्तर पर अपनी पसन्द के विषय से किसी विषय वस्तु की पहचान कीजिए। उसी विषय वस्तु को कक्षाकक्ष में व्यवहार करने हेतु निर्देशनात्मक रणनीति तैयार करते समय आप किन विविध घटकों पर विचार करेंगे? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

विशेषीकृत क्षेत्र : दूरस्थ शिक्षा

एम.ई.एस.–111 : दूरस्थ शिक्षा का विकास एवं दर्शन

नियतकार्य : 01

अ) अपने देश की शिक्षा व्यवस्था में अद्यतन विकास के सन्दर्भ में दूरस्थ शिक्षा पद्धति की सामाजिक शैक्षिक प्रासंगिकता का विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

ब) दूरस्थ शिक्षा पद्धति में उभरते हुए संक्रियात्मक सरोकारों के रूप में अनुसन्धान एवं स्टाफ विकास (रिसर्च ऐन्ड स्टाफ डेवलपमेन्ट) के महत्व की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) दूरस्थ शिक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय परिषद् (आई.सी.डी.ई.) और राष्ट्रमंडल अधिगम (सी.ओ. एल./कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग) के प्रकार्यों के विशेष संदर्भ में दूरस्थ शिक्षा के उद्भव का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–112 : स्व–अधिगम मुद्रित सामग्रियों की रूपरेखा एवं विकास

नियतकार्य : 01

अ) संज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोगामक क्षेत्रों/पक्षों में विभिन्न प्रकार के अधिगम प्रतिफलों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) दूरस्थ शिक्षा पद्धति में प्रयोग किये जाने वाले आकलन/मूल्यांकन के विभिन्न रूपों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) अन्तःक्रियात्मकता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। स्व–अधिगम सामग्रियों को अन्तःक्रियात्मक बनाना क्यों महत्वपूर्ण है? अपने पसन्द के विषय से अवधारणा के द्वारा

स्पष्ट कीजिए कि अन्तःक्रियात्मक स्व–अधिगम सामग्री का विकास किस प्रकार किया जा सकता है? (500 शब्द)

एम.ई.एस.–113 : शिक्षार्थी सहायता सेवायें

नियतकार्य : 01

अ) दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षार्थी सहायता के लिए एक संस्थागत प्रबन्ध के लिए अध्ययन केन्द्र के प्रकार्यों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) दूरस्थ शिक्षा पद्धति में परामर्शन के लिए विभिन्न माध्यमों (मीडिया) के प्रयोग की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) दूरस्थ शिक्षार्थियों के नियतकार्यों के मूल्यांकन के लिए प्रयोग की जाने वाली शिक्षण प्रकार की अनुशिक्षक–टिप्पणियाँ कौन सी हैं? इनमें से प्रत्येक टिप्पणियों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए। शिक्षण प्रकार की अनुशिक्षक टिप्पणियों को दूरस्थ शिक्षार्थियों को क्यों प्रदान किया जाता है? (500 शब्द)

एम.ई.एस.–114 : दूरस्थ शिक्षा का प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

अ) शिक्षा के चार स्तम्भों पर इक्कीसवीं शताब्दी के लिए शिक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय आयोग के द्वारा व्यक्त किये गये विचारों के आलोक में शिक्षा की प्रक्रियाओं की व्याख्या कीजिए।

(500 शब्द)

ब) विश्वविद्यालय के संचालन शासन–प्रशासन में कार्यकारिणी परिषद्, विद्वत परिषद् और संकाय/विद्यालयों की भूमिका और प्रकार्यों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) परिवर्तन–अभिकर्ता की भूमिका और विशिष्टताओं का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। परिवर्तन अभिकर्ता के लिए आवश्यक कौशलों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–115 : दूरस्थ शिक्षा के लिए संचार प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

अ) शैक्षिक सम्प्रेषण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में इसका अनुप्रयोग किस प्रकार होता है? (500 शब्द)

ब) विभिन्न प्रकार की क्षेत्र/स्थिति रेकार्डिंग (फील्ड/लोकेशन रेकार्डिंग) कौन सी हैं? टी.वी. कार्यक्रम के लिए आप क्षेत्र (फील्ड) रेकार्डिंग किस प्रकार करेंगे? इसके लिए एक विस्तृत योजना तैयार कीजिए। (500 शब्द)

स) इन्टरनेट की सबलताओं और सीमाओं पर विशेष बल देते हुए दूरस्थ शिक्षा के लिए इसके निहितार्थों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

विशेषीकृत क्षेत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी

एम.ई.एस.–031 : ई टी : एक अवलोकन

नियतकार्य : 01

अ) अपने संस्थान में प्रयोग की जा रही शैक्षिक प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करते समय आप किन सोपानों का अनुसरण करेंगे? सोदाहरण वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) विभिन्न प्रकार के अधिगम वातावरण कौन से हैं? किन्हीं तीन प्रकार के अधिगम वातावरणों का चयन कीजिए। उन अधिगम वातावरणों में प्रौद्योगिकी अधिगम को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है? व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) प्रणाली उपागम की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। आप शिक्षा के लिए प्रणाली उपागम का अनुप्रयोग किस प्रकार कर सकते हैं? सोदाहरण वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–032 : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

अ) प्रभावी संचार/सम्प्रेषण के लिए प्रौद्योगिकियों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) अप्रसारण/गैर प्रसारण माध्यम (नान ब्राडकास्ट मीडिया) की सबलताओं और सीमाओं की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) व्यावसायिक विकास के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है।? तीन योजनायें सुझाइये। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–033 : संगणक (कम्प्यूटर) प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

अ) 'आपरेटिंग सिस्टम' क्या है? 'विन्डोज आपरेटिंग सिस्टम' की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) मल्टीमिडिया क्या है? मल्टीमिडिया के विभिन्न प्रयोगों की परिचर्चा कीजिए। उपयुक्त उदाहरण दीजिए। (500 शब्द)

स) प्रभावी समूह सम्प्रेषण (इफेक्टिव ग्रुप कम्यूनिकेशन) के लिए न्यूजग्रुप और डिस्कशन बोर्ड की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–034 : कोर्सवेयर की रूपरेखा (डिज़ाइनिंग)

नियतकार्य : 01

अ) कोर्सवेयर की गुणवत्ता नियन्त्रण के सोपानों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) कोर्सवेयर के रचनात्मक एवं संकलनात्मक मूल्यांकन की आवश्यकता की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) कोर्सवेयर की पाठ्यचर्या की योजना बनाते समय आप किन कारकों पर विचार करेंगे? व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

विशेषीकृत क्षेत्र : शैक्षिक प्रबन्धन

एम.ई.एस.–041 : शैक्षिक प्रबन्धन की संवृद्धि एवं विकास

नियतकार्य : 01

अ) 'प्रशासन' (एडमिनिस्ट्रेशन) और 'प्रबन्धन' (मैनेजमेंट) के बीच शब्दावली सम्बन्धी द्वन्द्व की व्याख्या कीजिए। शिक्षा के संदर्भ में आप इन विशिष्ट शब्दों (टर्म्स) का प्रयोग किस प्रकार करना चाहते हैं? (500 शब्द)

ब) गैर–औपाचारिक/अनौपचारिक (नान–फार्मल) शिक्षा की विभिन्न श्रेणियों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रबन्धन में स्वायत्तता और उत्तरदायित्व (आटोनामी ऐन्ड एकाउन्टेबिलिटी) के मुद्दों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–042 : शैक्षिक प्रबन्धन के आयाम

नियतकार्य : 01

अ) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के उद्देश्य कौन से थे? माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता के सुनिश्चयन में इसकी भूमिका का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए। (500 शब्द)

ब) शिक्षा के वित्तीयन में केन्द्र और राज्य सरकारों की भूमिका की परिचर्चा कीजिए।(500 शब्द)

स) शिक्षा में समुदाय सहभागिता क्यों महत्वपूर्ण है? अपने नज़दीकी क्षेत्र के किसी विद्यालय का भ्रमण कीजिए और उन उपायों/तरीकों को सूचीबद्ध कीजिए जिसके माध्यम से विद्यालय विभिन्न समुदाय–सदस्यों को शामिल कर रहा है। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–043 : संगठनात्मक संव्यवहार

नियतकार्य : 01

अ) नेतृत्व के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) मान लीजिए आप एक संस्था के प्रमुख हैं आप विभिन्न पणधारियों के मध्य किस प्रकार के सम्प्रेषण/संचार को अपनायेंगे? सोदाहरण समझाइये। (500 शब्द)

स) सांस्थानिक प्रबन्धन चक्र के विविध स्तरों पर लिये जाने वाले निर्णयों और विविध पणधारियों जिन्हें कि आप इस निर्णयन प्रक्रिया में शामिल करेंगे, के सोदाहरण परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–044 : सांस्थानिक प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

अ) पाठ्यचर्या–संव्यवहार के लिए नियोजन क्यों महत्वपूर्ण है? पाठ्यक्रम, इकाई और पाठ–योजना की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) मुक्त शिक्षा प्रणाली के विशेष सन्दर्भ में विद्यार्थी सहायता प्रणाली की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। मुक्त शिक्षा प्रणाली में इग्नू जैसी एकल मोड संस्थान के द्वारा प्रबन्धन की जा रही सहायक सेवाओं की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) गुणवत्ता समूह प्रक्रिया उपकरण (क्वालिटी ग्रुप प्रासेस टूल) के रूप में शिक्षा में 'बुद्धि–उत्तेजन' (ब्रेनस्टार्मिंग) की प्रक्रियाओं और प्रयोग को सोदाहरण समझाइये।(500 शब्द)

विशेषीकृत क्षेत्र : प्रौढ़ शिक्षा

एम.ए.ई.–001 : प्रौढ़ शिक्षा को समझना

नियतकार्य : 01

अ) प्रौढ़ शिक्षा में सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकियों (आ सी टीज़) के अनुप्रयोगों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) प्रौढ़ शिक्षा की समझ के मनोविज्ञान उन्मुख उपागम से समाजशास्त्रीय उपागम तक परिवर्तन (शिफ्ट) के महत्व की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) भारत में समकालीन साक्षरता व्यवहार कौन से हैं? लिंग और भाषा के मुद्दों पर फोकस करते हुए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

एम.ए.ई.–002 : भारत में प्रौढ़ शिक्षा का नीति नियोजन एवं क्रियान्वयन

नियतकार्य : 01

अ) सहभागी अनुसन्धान (पार्टीसिपेटरी रिसर्च) की मूल विशेषतायें कौन सी हैं? सहभागी अनुसन्धान पारम्परिक अनुसन्धान से किस प्रकार भिन्न है? (500 शब्द)

ब) प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में स्थानीय निकायों की भूमिका की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) आजीवन अधिगम से आप क्या समझते हैं? आजीवन कार्यक्रमों से संचालन में सामना की जाने वाली चुनौतियाँ कौन सी हैं? उन्हें सम्बोधित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइये। (500 शब्द)

एम.ए.ई.–003 : प्रौढ़ शिक्षा में ज्ञान प्रबन्धन, सूचना प्रसारण एवं नेटवर्किंग

नियतकार्य : 01

अ) शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता और रोज़गार क्षेत्रों के विशेष सन्दर्भ में प्रौढ़ अधिगम ढाँचे (सेटअप) में ज्ञान प्रबन्धन प्रणाली की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) विभिन्न प्रकार की सूचना प्रसारण सेवाओं की परिचर्चा कीजिए। उपयुक्त उदाहरण दीजिए। (500 शब्द)

स) संगठन में टोली कार्य (टीम वर्क) की अवधारणा और महत्व की व्याख्या कीजिए। टोली कार्य के विभिन्न रूपों में निहित समूह प्रक्रियाओं का परीक्षण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ए.ई.–004 : विस्तार शिक्षा और विकास

नियतकार्य : 01

अ) विस्तार शिक्षा में निहित दर्शन और सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) आर्थिक विकास के शास्त्रीय सिद्धान्त की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) विस्तार कार्यक्रमों में निगरानी (मानीटरिंग) और मूल्यांकन क्यों महत्वपूर्ण हैं? निगरानी और मूल्यांकन की विविध विधियों की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। उपयुक्त उदाहरण दीजिए। (500 शब्द)